सत्यमेव जयते

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

23 श्रावण, 1941 (श०)

संख्या- 664 राँची, बुधवार, 14 अगस्त, 2019 (ई०)

जल संसाधन विभाग

संकल्प

7 अगस्त, 2019

विषय :-उत्तर कोयल परियोजना का नाम बदलकर "शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तर कोयल जलाशय परियोजना" करने के संबंध में |

संख्या-1/पी /एम/सी/कार्य/1077/2018-1016-- उत्तर कोयल परियोजना पलामू जिला के उत्तर कोयल नदी पर अवस्थित है | इस परियोजना का निर्माण 1970-80 के दशक में पूर्ववर्ती राज्य बिहार द्वारा प्रारम्भ की गई |

2. वर्ष 2000 में झारखण्ड राज्य गठन के उपरांत यह परियोजना बिहार एवं झारखण्ड राज्य की सयुंक्त परियोजना हो गई है |

3. इस परियोजना का मुख्य अवयव मंडल डैम, लातेहार जिलान्तर्गत बरवाडीह प्रखण्ड के ग्राम मंडल /कुटकु के निकट अवस्थित है | नदी के दायाँ तट पर लातेहार जिला एवं बायाँ तट पर गढ़वा जिला पड़ता है |

4. मंडल डैम के निर्माण से पलामू के वीर नीलाम्बर- पीताम्बर भाईयों की जन्म स्थली ग्राम सनैया जलमग्न हो जायेगी |

5॰ ज्ञातव्य है कि सन 1857 ई० के सिपाही विद्रोह, जो समस्त भारत में अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्र आंदोलन चला था, पलामू में भी यह आंदोलन वीर नीलाम्बर- पीताम्बर के नेतृत्व में चलाई थी | इस आंदोलन में बहुत से जमींदार एवं उनके अनुयायी नीलाम्बर- पीताम्बर के नेतृत्व में अंग्रेज़ो से लोहा लिए थे | इनकी वीरता की चर्चा काफी मशहूर थी | छापामार युद्ध में ये दोनों भाई निपुण थे | अंग्रेज़ अफसर एवं सैनिक इनके नाम से काँपते थे| अंग्रेजों के द्वारा एक षड्यंत्र रचकर नीलाम्बर-पीताम्बर को गिरफ्तार कर बिना मुकदमा चलाये ही 28 मार्च 1859 को लेसलीगंज में फांसी दे दी गई | झारखण्ड व पलामूवासी इन शहीदों का नाम बड़ी श्रद्धा के साथ लेते है | उस वृक्ष और गुफा की पूजा आज तक लोग करते हैं, जहाँ पर दोनों वीर सपूतों ने दम तोड़ा था |

6॰ इस परियोजना का नाम बदलकर “शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तर कोयल जलाशय परियोजना” रखे जाने से इस क्षेत्र के आदिवासियों तथा अमर शहीदों का सम्मान होगा|

7॰ उत्तर कोयल परियोजना का नाम बदलकर “शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तर कोयल जलाशय परियोजना” करने के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद के स्वीकृति दिनांक-26.02.2019 में मद संख्या -18 के रूप में प्रदान के गई है |

8॰ मंत्रिपरिषद झारखण्ड की स्वीकृति के उपरांत उत्तर कोयल परियोजना का नाम बदलकर “शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तर कोयल जलाशय परियोजना” किया जाता है |

9॰ इसे तत्काल प्रभाव से लागू समझा जाय |

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

सत्येन्द्र नारायण उपाध्याय,
सरकार के संयुक्त सचिव
जल संसाधन विभाग, झारखण्ड |

झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय, राँची द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
झारखण्ड गजट (असाधारण) 664 -- 50